



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 369]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 31, 1985/श्रावण 9, 1907

No. 369]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 31, 1985/SRAVANA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

खाद्य और नागरिक रसति मंत्रालय  
(नागरिक रसति विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1985

सं० आ 563 (अ) — केन्द्रीय सरकार, अग्रिम सविदा  
(विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 5 (1952 का  
74) के अधीन सेन्ट्रल इण्डिया काटन एसोसिएशन लि.;  
उज्जैन द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन  
पर, बाघदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और  
अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के  
हित में और लोकहित में होगा, उक्त अधिनियम की धारा  
6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसिएशन  
को कपास में अग्रिम सविदा की बाबत 31 जुलाई, 1985 से  
30 जुलाई, 1987 (दोनों दिन शामिल हैं) तक दो वर्षों की  
और अधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. उक्त द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन रहते हुए  
है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी  
जो बाघदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाए।

[मिनिम सं. 12(2)/आई.टी./83]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 31st July, 1985

S.O. 563(E).—The Central Government having  
considered, in consultation with the Forward Markets  
Commission, the application for renewal of recogni-  
tion made under section 5 of the Forward Contracts  
(Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central  
India Cotton Association Ltd., Ujjain, and being  
satisfied that it would be in the interest of the trade  
and also in the public interest so to do, hereby grants,  
in exercise of the powers conferred by section 6 of  
the said Act, recognition to the said Association for a  
further period of two years from the 31st July, 1985  
to the 30th July, 1987 (both days inclusive) in respect  
of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the  
condition that the said Association shall comply with  
such directions, as may, from time to time, be given  
by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT/83]

का.आ. 564 (अ) — केन्द्रीय सरकार, अग्रिम सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 5 (1952 का का. 74) के अधीन माउथ इंडिया काटन एसोसिएशन, कोयम्बतूर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसिएशन का कपास में अग्रिम सविदा की बाबत 31 जुलाई, 1985 से 30 जुलाई, 1987 (दोनों दिन शामिल हैं) तक दो वर्षों की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. उसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन रहते हुए है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें।

[मिमिल सं. 12(2)-आई.टी. -83]

S.O. 564(E).—The Central Government having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the South India Cotton Association, Coimbatore, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1985 to the 30th July, 1987 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2) IT/83]

का.आ. 565 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 5 (1952 का 74) के अधीन सेंट्रल गुजरात काटन डीलर्स एसोसिएशन, भड़ौच द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसिएशन का कपास में अग्रिम सविदा की बाबत 31 जुलाई, 1985 से 30 जुलाई 1987 (दोनों दिन शामिल हैं) तक दो वर्षों की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन रहते हुए है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें।

[मिमिल सं. 12(2)/आई.टी./83]

S.O. 565(E).—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central Gujarat Cotton Dealers Association, Broach, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1985 to the 30th July, 1987 (both days inclusive) in respect of Forward Contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F.No.12(2)-IT/83]

का.आ. 566 (अ):—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 5 (1952 का 74) के अधीन सदर्न गुजरात काटन डीलर्स एसोसिएशन, सुरत द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसिएशन का कपास में अग्रिम सविदा की बाबत 31 जुलाई, 1985 से 30 जुलाई, 1987 (दोनों दिन शामिल हैं) तक दो वर्षों की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन रहते हुए है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें।

[मिमिल सं. 12(2)/आई.टी. /83]

S.O. 566(E).—The Central Government having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Cotton Dealers' Association, Surat, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1985 to 30th July, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F.No.12(2)-IT/83]

का.आ. 567 (अ) — कन्द्रीय सरकार, अग्रिम सवदान (विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 5 (1952 का 74) के अधीन नार्दन उडिया कटन एसोसिएशन लि., भटिण्डा द्वारा सहायता से नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और अपना यह समाधान हो जाने पर किए ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम सविदा की बाबत 31 जुलाई, 1985 से 30 जुलाई 1987 (दोनों दिन शामिल हैं) तक 2 वर्षों की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. उसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन रहने हुए कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें।

[मिसिल सं. 12(2)—आई.टी./83]

पी० एन० कौल, आर्थिक सलाहकार

S.O. 567(E).—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Northern India Cotton Association Ltd., Bhatinda, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1985 to 30th July, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)/IT/83]

P. N. KAUL, Economic Adviser

